J.R.A.S. Vol. XXXII, No.3-4, July-Dec. 2011 pp. 145-160

मधुमेह रोग (डायबिटीज मेलाइटिस) पर करीरादि चूर्ण (कल्पित योग) एवं पंचतिक्त निरुह बस्ति की कार्मुकता का चिकित्सात्मक अध्ययन

* अविनाश कुमार जैन ** महेन्द्र कुमार शाण्डिल्य ***ओमप्रकाश शर्मा

हिन्दी सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य में मधुमेह व्याधि से ग्रसित 25 आतुरों को निम्न दो वर्गों में विभाजित कर वैज्ञानिक मापदण्डों पर शोधन व शमन चिकित्सा औषध योगों की कार्मुकता का वैज्ञानिक अध्ययन किया गया –

1. प्रथम वर्ग **'अ'** के 15 मधुमेह रोगियों को कल्पित करीरादि चूर्ण मुख मार्ग से प्रयोग कराने पर सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर मधुमेह रोग के लक्षणों में 36.7 प्रतिशत लाभ पाया गया।
2. द्वितीय वर्ग **'ब'** के 10 मधुमेह रोगियों को पंचतिक्त पंचप्रासृत निरुह बस्ति चिकित्सा उपरान्त करीरादि चूर्ण (कल्पित योग) का प्रयोग करने से सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर मधुमेह रोग के लक्षणों में 47.48 प्रतिशत लाभ प्राप्त हुआ ।

उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट है कि वर्ग 'ब' के मधुमेह रोगियों में जिनमें संशोधन चिकित्सा उपरान्त संशमन चिकित्सा एक साथ दी गयी थी, सर्वोत्तम लाभ प्राप्त हुआ है । इस प्रकार यह निष्कर्ष सहज ही निकाला जा सकता है कि मधुमेह रोग की कारगर चिकित्सा के रूप में संशोधन एवं संशमन चिकित्सा का एक साथ प्रयोग ही सार्थक है।

---

*एम.डी. (आयु.), पीएच.डी. स्कालर, स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।

** भूतपूर्व एसोसियेट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर।

*** असिस्टेन्ट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर।